



प्रेस विज्ञप्ति

कुंभ मेले में साहित्य अकादेमी के पंडाल का शुभारंभ
उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने किया उद्घाटन
केंद्रीय राज्य मंत्री संस्कृति मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा भी विशेष
रूप से पधारे

प्रयागराज 11 जनवरी 2019। धार्मिक आस्था के महाकुंभ में साहित्य अकादेमी ने शब्दों की दुनिया को भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर दिया है। साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर अपना एक विशेष पंडाल लगाया है, जिसमें 24 भारतीय भाषाओं की तीन हजार से ज्यादा पुस्तकें प्रदर्शन और बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। पंडाल का उद्घाटन कल (10 जनवरी 2019) उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री संस्कृति मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा भी उपस्थित थे। साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराम ने इस अवसर पर दोनो माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए पूरे पंडाल का निरीक्षण करवाया। यह पंडाल 10 जनवरी से 4 मार्च 2019 तक पाठकों के लिए खुला रहेगा।

साहित्य अकादेमी के पंडाल में जहाँ 24 भारतीय भाषाओं की पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी वहीं साहित्य अकादेमी द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न पुरस्कारों जैसे – साहित्य अकादेमी पुरस्कार, अनुवाद पुरस्कार, युवा पुरस्कार, बाल पुरस्कार के बारे में तथा साहित्य अकादेमी की अन्य गतिविधियों के बारे में भी विभिन्न पैनलों द्वारा पाठकों को जानकारी दी जाएगी। इस दौरान साहित्य अकादेमी द्वारा प्रमुख साहित्यकारों पर बनाए गए वृत्तचित्र भी निरंतर दिखाये जाते रहेंगे। पंडाल में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित महत्त्वपूर्ण पुस्तकों, विनिबंधों आदि की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। साहित्य अकादेमी ने महात्मा गाँधी के 150वें जन्मवर्ष को ध्यान में रखते हुए पंडाल की विशेष साज-सज्जा की है।

—के. श्रीनिवासराम



साहित्य अकादेमी



मेरे जीवन के प्रेरणास्रोत केवल पुस्तकें और चरखा हैं।



साहित्य



SAHITYA AKADEMI

साहित्य अकादेमी

साहित्य अकादेमी



साहित्य

साहित्य





Literature

साहित्य अकादेमी पुस्तकालय



साहित्य अकादेमी पुस्तकालय

नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादेमी पुस्तकालय भारत के उन बहुत कम साहित्यिक पुस्तकालयों में से एक है जिसमें समस्त मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं के साहित्यिक कार्य उपलब्ध हैं।

साहित्य अकादेमी के दिल्ली, कोलकाता, मुंबई तथा बेंगलूर स्थित कार्यालयों में पुस्तकालय हैं।

अकादेमी पुस्तकालयों में कुल मिलाकर 170,000 से अधिक पुस्तकें हैं, इसके अलावा भारत और विदेशों से प्राप्त प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाएँ अलग हैं।



निर्माता - Makers of Indian Literature



साहित्य

